कोयतुरो की बुलंद आवाज़

# कोयतुर टाइम्स

KOYTUR TIMES www.koyturtimes.com

सुविचार -
"शिक्षा ग्रहण करने के लिए निरंतर और हर पल प्रयास करते रहना चाहिए"

बुधवार 08 जनवरी 2025 | RNI: UDYAM-CG-11-0005844 | website: koyturtimes.com

# राजभवन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया कर्नाटक, तमिलनाडु, दिल्ली, झारखंड, उत्तराखंड, जम्मू व कश्मीर और लद्दाख का स्थापना दिवस



रायपुर: राजभवन में आज कर्नाटक, तमिलनाडु, दिल्ली, झारखंड, उत्तराखंड, जम्मू व कश्मीर और लद्दाख राज्यों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने इस अवसर पर कहा कि भारत विभिन्न रंगों के अनेक पुष्पों की एक माला है। हर राज्य की अपनी एक अलग पहचान है। इन राज्यों के लोग अपनी विशिष्ट पहचान के साथ छत्तीसगढ़ में निवास करते हुए व्यवसाय या नौकरी कर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू की गई केन्द्र सरकार के "एक भारत-श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक-दूसरे राज्यों का स्थापना दिवस मना रहे हैं। इसी कड़ी में राजभवन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें छत्तीसगढ़ में निवास करने वाले कर्नाटक, तमिलनाडु, दिल्ली, झारखंड, उत्तराखंड, जम्मू व कश्मीर और लद्दाख राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। राज्यपाल ने स्थापना दिवस के अवसर पर सभी को बधाई दी।

कार्यक्रम में राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि इस कार्यक्रम के पीछे का विचार, विभिन्न राज्यों की भाषा, संस्कृति, परंपराओं और प्रथाओं के ज्ञान का आदान-प्रदान करना है, जो आपसी समझ और सद्भाव को बढ़ावा देगा, जिससे भारत की एकता और अखंडता मजबूत होगी। इस परिप्रेक्ष्य में आज का कार्यक्रम एक गौरवपूर्ण क्षण है। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि हर राज्य का स्थापना दिवस, उस राज्य के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन होता है। राज्य की समृद्धि और विकास का गवाह यह दिन हमें अपने राज्य की स्थापना के मूल उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का रास्ता दिखाता है। उन्होंने कहा कि इन राज्यों का स्थापना दिवस, केवल उनके विकास की यात्रा का उत्सव नहीं है बल्कि भारत की विविधता और एकता का प्रतीक है।

राज्यपाल श्री डेका ने विभिन्न राज्यों की विशेषताओं को रेखांकित किया। माटी का स्वर्ग, कर्नाटक अपने अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कृति के साथ-साथ भाषा और साहित्य में समृद्ध है। यह राज्य कन्नड़ साहित्यकारों और कवियों का घर है, जिन्होंने भारतीय साहित्य को अद्वितीय ऊंचाईयां प्रदान की है। तमिलनाडु राज्य के संबंध में कहा कि यह भारत की द्रविड़ सभ्यता का केंद्र है जो अपनी कला, संस्कृति, भाषा, साहित्य, आध्यात्मिक धरोहर के लिए विख्यात है। इस राज्य ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दिल्ली के संबंध में कहा कि यह हमारी राजधानी ही नहीं बल्कि देश का दिल भी है। यह वह भूमि है जहां इतिहास ने करवट ली है। यह राज्य सामाजिक समरसता का उत्कृष्ट उदाहरण है। झारखंड के बारे में कहा कि खनिज संपदा से भरपूर झारखंड अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यहां के आदिवासियों की अपनी अनूठी परंपराएं, रीति-रिवाज, लोकगीत, संगीत, नृत्य की कलाएं हैं। राज्यपाल ने देवभूमि उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के बीच समानताओं का उल्लेख किया। दोनों राज्यों का बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में रहता है और कृषि उनकी आजीविका का प्रमुख साधन है। सतत् विकास और पारिस्थितिक संतुलन के लिए दोनों राज्यों में समान चुनौतियां है। जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख राज्यों की प्राकृतिक सुंदरता एवं सांस्कृतिक विविधताओं के साथ अन्य विशेषताओं का जिक्र करते हुए कहा कि हम सब को राष्ट्र की अखंडता, समृद्धि के लिए एकजुट होकर काम करना है। कार्यक्रम में उपस्थित इन राज्यों के बच्चों एवं युवाओं ने अपने राज्य की संस्कृति एवं लोक परंपरा आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। भरत नाट्यम, सरहुल, एवं अन्य लोक नृत्यों ने दर्शकों का मन मोह लिया। दिल्ली राज्य के प्रतिनिधि श्री नवनीत अग्रवाल, उत्तराखंड के प्रतिनिधि श्री ओमप्रकाश, झारखंड के प्रतिनिधि डॉ. चिरंजीवी जैन, कर्नाटक की प्रतिनिधि डॉ. शीला श्रीधर, तमिलनाडु के प्रतिनिधि श्री एस.स्वामीनाथन ने राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से सम्मानित किया। राज्यपाल द्वारा भी इनको राजकीय गमछा पहनाकर स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम में पद्मश्री श्रीमती उषा बारले, राज्यपाल के सचिव श्री यशवंत कुमार, संयुक्त सचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम, इन सभी राज्यों के छत्तीसगढ़ में निवासरत, बच्चे, युवा, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

### खाद्य मंत्री ग्राम जांता में आयोजित बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में हुए शामिल



खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयाल दास बघेल आज बेमेतरा जिला अंतर्गत विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा ग्राम जांता में आयोजित बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर बच्चों को पुरस्कार वितरण कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

### एयरपोर्ट की विकास कार्यों और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में कलेक्टर ने की बैठक

संवाददाता | जगदलपुर

कलेक्टर श्री हरिस एस की अध्यक्षता में मां दन्तेश्वरी एयरपोर्ट जगदलपुर की विकास कार्यों और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में एयरपोर्ट परिसर में सोमवार की शाम बैठक किया गया। बैठक में जगदलपुर एयरपोर्ट के रनवे रिर्कापेटिंग, आईसोलेशन बे का निर्माण कार्य, पैरीमीटर रोड का चैड़ीकरण कार्य,कंसरटिना कोइल को बदलने संबंधी कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण करने हेतु 10 जनवरी तक टेंडर प्रक्रिया करवाने के निर्देश कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिए। इसके अलावा रनवे मार्किंग,रनवे लाईट का कार्य अविलंब करने कहा। बैठक में सीआरपीएफ बैरेक का अन्य जगह स्थानांतरित करने, एयरपोर्ट के समीप कचरा सीवेज डंपिंग तथा जलाने पर रोक,भवन निर्माण हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र एवं अवैध निर्माण पर रोक,होमगार्ड के परेड ग्राउंड में स्थित गेट को परेड उपरांत बंद करने, होमगार्ड के कैंप के नजदीक बांस की झाड़ियों को कटाई करने, वार्षिक लायसेंस नवीनीकरण हेतु डीजीसीए का निरीक्षण की तैयारी हेतु आवश्यक दस्तावेज तैयार रखने, रनवे 24 केश गेट के समीप एक कक्ष निर्माण, न्यू हैलीपेड एवं पैरीमीटर रोड का कार्य त्वरित पूर्ण करने और रनवे समतलीकरण कार्य के संबंध में चर्चा किया गया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री निर्भय साहू, एयरपोर्ट प्रबंधन के श्री विदेश गुप्ता सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

**Top News** वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने पुसौर विकासखण्ड में विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण

# ग्रामीण अंचलों के विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्धता से कर रही कार्य: वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी

रायगढ़: वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखण्ड अंतर्गत बाघाडोला, नवापारा-अ एवं छपोरा में 70 लाख रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी सरकार गांव, गरीब, किसानों सहित सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। ग्रामीण अंचलों में जनसुविधाओं के विस्तार हेतु लगातार कार्य किया जा रहा है। अधोसंरचना विकास के कार्य तेजी से आगे बढ़ाएं जा रहे है। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि सरकार गठन के उपरांत 18 लाख आवास निर्माण को स्वीकृति दी गई। इन आवासों का निर्माण पूरी तेजी से करवाया जा रहा है। पीएम आवास योजना से गरीबों के पक्के मकान का सपना पूरा हो रहा है। महतारी वंदन योजना से महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हैं। उन्हें प्रतिमाह एक-एक हजार रूपये राशि उनके खाते में भेजी जा रही है। जिससे महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, बल्कि अपने घर-परिवार में भी निर्णय लेने में बराबरी का हक महसूस कर रही हैं। इसके साथ ही विभिन्न जनहितैषी योजनाओं के माध्यम से किसानों को आर्थिक मजबूती प्रदान करने के लिए कृषक उन्नति योजना के माध्यम से दो साल का बोनस दिया गया। इसी तरह किसानों से 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल के मान से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदा जा रहा है। रामलला दर्शन योजना के माध्यम से बुजुर्गो को अयोध्या धाम के दर्शन कराए जा रहे है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अधिकारियों से कहा कि सभी निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ किए जाए। इसमें समय-सीमा का भी विशेष ध्यान रखें। हमारा उद्देश्य लोगों को जनोपयोगी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी अपने दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन करें।वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने पुसौर विकासखण्ड के बाघाडोला, नावापारा-अ एवं छपोरा में 70 लाख रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण किया।



इनमें बाघाडोला में 25 लाख 40 हजार रुपये की लागत से 3 सीसी रोड निर्माण, 1 लाख 50 हजार रुपये की लागत से दर्री तालाब में पचरी निर्माण, 10 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन के पास शेड निर्माण शामिल है। इसी तरह नावापारा-अ में 10 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण तथा छपोरा में 12 लाख 90 हजार रुपये की लागत से आंगनबाड़ी भवन निर्माण तथा 10 लाख 35 हजार रुपये की लागत से मुक्तिधाम सह प्रतिक्षालय निर्माण शामिल है।

# मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलिंपिक की तैयारी 152वीं एमओसी की बैठक के लिए शुरू कर दी




नई दिल्ली: केंद्रीय मामले युवा एवं खेल मंत्री डॉ . मनसुख मांडविया ने आज मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में 152वें मिशन ओलंपिक सेल ( एमओसीआई ) के अध्यक्ष की बैठक में प्रतिष्ठित खिलाड़ियों, शिक्षकों और प्रशिक्षकों की उपस्थिति दर्ज की । बैठक का मुख्य हिस्सा नवगठित एम समुदाय के सदस्यों का परिचय और लॉस एंज़िल्स 2028 ओलंपिक में भारत के पदक स्नातकों में सुधार के लिए योजना बनाना था । मिनिस्टर सेंट्रल ने राष्ट्रीय खेल मनोविज्ञान ( एनएसएफ ) , स्टेट कंसल्टेंसी, क्वार्टर्स , सार्वजनिक क्षेत्र के निगम ( पीएसयू ) और गैर - सरकारी कर्मचारियों ( पीएसयू ) के घटक प्रयास से भारतीय खेल अभ्यास तंत्र को बेहतर बनाने के लिए 360 डिग्री के दृष्टिकोण पर जोर दिया । ।।

डॉ . मांडविया ने दो घंटे की बैठक के दौरान कहा, "यह मेरे लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, आप सभी द्वारा साझा किए गए कई विचारों के आधार पर कार्य पहले ही शुरू हो चुके हैं । ओलंपिक में पदक जीतना एक साल या 6 महीने का काम नहीं है । इसके लिए पहले से अच्छी तैयारी की आवश्यकता है । भारत का खेल भंडार और वित्त पोषण वैश्विक स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करना पूरे देश के बराबर है । जैसा कि आप जानते हैं , हमारे प्रधानमंत्री भारत ने एक खेल महाशक्ति के बारे में पूरी तरह से विचार किया है तरह से निवेश किये जाते हैं। इसलिए, हमें एक - दूसरा का हाथ थामना होगा और सभी हितधारकों को देश में आगे ले जाना होगा । ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग, पुलेला गोपीचंद ( उपाध्यक्ष, ओलंपिक्स गोल्ड क्वेस्ट ) , वीरेन रसकिन्हा ( ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट ) , अपर्णा पोपट , द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता पैरा कोच डॉ. सत्यपाल सिंह, अर्जुन पुरस्कार विजेता प्रशांति सिंह , खेल सचिव मडकेकर , दोस्त ( तालिका, टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया ) , साइरस पोंचा ( पिशाच, स्क्वॉश इंडिया कैसल्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ) , दीप्ति बोपैया ( गोस्पोर्ट्स फाउंडेशन ) , सिद्धार्थ शंकर ( रिलायंस फाउंडेशन ) , मनीषा अमेरीका ( जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ) , गौतम वढेरा ( संयुक्त सचिव , शेयरहोल्डर स्पोर्ट्स बोर्ड ) और प्रेम लोचब ( रेलवे स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री ( एमवैस ) और भारतीय खेल प्राधिकरण ( एस.एस. मॅटल ) के अधिकारीगण के साथ बैठक में शामिल हुए। सचिव ( खेल ) श्रीमती सुजाता चौधरी ने नवगठित एम एसोसिएट सदस्य का स्वागत किया, जिसके बाद सैकेट्री ओल पोडियम योजना का उद्घाटन किया गया और नवनियुक्त टीओ पीसी के सीईओ नछत्तर सिंह जौहल ने बैठक के उद्देश्य की जानकारी दी।

इस बैठक के दौरान चर्चा के मुख्य बिंदु ये थे :
जिसमें ब्रिस्बेन 2032 के लिए विकास समूह के लिए एक मजबूत प्रतिभा की पहचान करने के लिए जनसंख्या तैयार करना, टीओपीएस में शामिल होने वाले एथलीटों के लिए लघु / मध्यम / सहारा लक्ष्य विकसित करना, लघु / मध्यम / प्रदर्शन लक्ष्य के लिए सापेक्ष तैयारी और वास्तविक की निगरानी करना और विशेषज्ञों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उच्च विशेषज्ञ विशेषज्ञों की पहचान करना और उनकी सेवाओं को स्वीकार करना मुख्य रूप से चर्चा हुआ ।

## मंत्री श्री नेताम ने पीएम आवास योजना के तहत् महेन्द्र कोरवा को सौंपा चाबी

रायपुर: आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम जिला बलरामपुर-रामानुजगंज प्रवास के दौरान बलरामपुर नगरीय निकाय के अंतर्गत चांदो चौक स्थित हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने इस मौके पर प्रधानमंत्री आवास शहरी योजना अंतर्गत पहाड़ी कोरवा श्री महेन्द्र कोरवा को पक्के आवास की चाबी सौंपी। मंत्री श्री नेताम के हाथ से आवास की चाबी पाकर हितग्राही श्री महेन्द्र कोरवा काफी खुशी हुई। उन्होंने इसके लिए राज्य सरकार और मंत्री श्री रामविचार नेताम के प्रति आभार जताया। पक्का आवास मिलने पर श्री महेन्द्र कोरवा ने कहा कि वे खेती-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। उनके लिए पक्का घर बनाना मुश्किल था लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनका सपना साकार कर दिया है। अब उनके बच्चे भी पक्के घर में रहेंगे और किसी भी मौसम में परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। गौरतलब है कि हरेक गरीब को पक्का आवास मिले इस उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना चलाई जा रही है।

## तीन पहाड़ियों के बीच स्थित खुड़िया जलाशय : प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन का अद्भुत केंद्र

Koytur times

छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले का राजीव गांधी जलाशय, जिसे खुड़िया जलाशय भी कहा जाता है, पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। तीन प्राकृतिक पहाड़ियों के मध्य मनियारी नदी पर निर्मित यह जलाशय अपनी प्राकृतिक सुंदरता और मनोरम दृश्यों के लिए जाना जाता है। नववर्ष के अवसर पर हजारों की संख्या में सैलानियों ने यहां पहुंचकर इसकी प्राकृतिक छटा का आनंद लिया। राजीव गांधी जलाशय की विशेषता इसकी विशालता और चारों ओर फैली हरियाली है। पहाड़ियों से घिरा यह स्थल दूर से किसी समुद्र का आभास कराता है। सैलानियों के लिए नाव की सवारी यहां का मुख्य आकर्षण है, जहां वे पानी के बीचों-बीच प्रकृति की गोद में समय बिता सकते हैं। वर्षा के मौसम में जलाशय और भी खूबसूरत हो जाता है, जब पहाड़ियों से गिरते जलप्रवाह और हरियाली का नजारा पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। यह जलाशय न केवल एक पर्यटन स्थल है, बल्कि इसका ऐतिहासिक और कृषि महत्व भी है। इसका निर्माण अंग्रेजी शासनकाल में 1927 में कृषि के उद्देश्य से शुरू हुआ था और 1930 में इसे पूरा किया गया। इसका नाम बाद में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नाम पर रखा गया। यह जलाशय आज भी स्थानीय किसानों के लिए एक मुख्य जल स्रोत है, जिससे वे अपनी कृषि भूमि की सिंचाई करते हैं।

### डोंगरीदेवी मंदिर प्रमुख है, जो धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण

राजीव गांधी जलाशय के आसपास कई और पर्यटन स्थल हैं जो सैलानियों के अनुभव को और खास बना देते हैं। इनमें डोंगरीदेवी मंदिर प्रमुख है, जो धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, पहाड़ियों और हरियाली से घिरा वातावरण ट्रेकिंग और पिकनिक के लिए भी आदर्श है। इस वर्ष नए साल के मौके पर हजारों पर्यटक राजीव गांधी जलाशय पहुंचे। जलाशय के साफ और शांत वातावरण, नाव की सवारी, और प्राकृतिक दृश्यों ने सभी को मोहित किया। पर्यटकों ने इस क्षेत्र की स्वच्छता और व्यवस्था की प्रशंसा की।

### पर्यटकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है

मुंगेली जिला अब पर्यटकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है। राजीव गांधी जलाशय जैसे स्थानों की बढ़ती लोकप्रियता स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। जिला प्रशासन द्वारा भी इस क्षेत्र को और अधिक विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। राजीव गांधी जलाशय न केवल प्रकृति प्रेमियों के लिए एक आदर्श स्थल है, बल्कि इतिहास और सांस्कृतिक धरोहर को भी समेटे हुए है। यह स्थल छत्तीसगढ़ में पर्यटन की अपार संभावनाओं का प्रतीक है।

**ब्रेकिंग न्यूज़** बैंकों की लंबी कतारों से छुटकारा

## धान खरीदी केंद्रों पर माइक्रो एटीएम की सुविधा से किसानों को राहत

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन में किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए धान खरीदी केंद्रों को आधुनिक और सुलभ बनाया जा रहा है। इन केंद्रों पर माइक्रो एटीएम की सुविधा ने किसानों को बड़ी राहत दी है। सेंदरी सेवा सहकारी समिति के धान खरीदी केंद्र पर पहुंचे किसानों ने इस पहल की सराहना करते हुए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। सेंदरी गांव के किसान श्री परसराम केवट ने खुशी जाहिर करते हुए बताया, धान बेचने के बाद खरीदी केंद्र पर ही माइक्रो एटीएम से भुगतान मिल जाना हमारे लिए बहुत बड़ा बदलाव है। अब बैंक की लंबी कतारों में घंटों इंतजार नहीं करना पड़ता। समय पर पैसे मिलने से ट्रांसपोर्ट और अन्य जरूरतों को पूरा करना आसान हो गया है। ग्राम गतौरी के किसान श्री तेजस्वी सिंह ठाकुर ने भी इस सुविधा की तारीफ करते हुए कहा कि माइक्रो एटीएम से तुरंत भुगतान होने से किसानों को काफी राहत मिली है। उन्होंने बताया कि अब धान बेचने में किसी तरह की परेशानी नहीं होती और बैंक जाने की आवश्यकता भी कम हो गई है। बिल्हा ब्लॉक के सेंदरी धान खरीदी केंद्र पर किसानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। केंद्र पर शीघ्र टोकन कटने की प्रक्रिया, साफ-सफाई, पीने के पानी की व्यवस्था और कर्मचारियों का सहयोगात्मक रवैया किसानों के लिए खरीद प्रक्रिया को आसान बना रहा है।

### किसानों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया

धान खरीदी केंद्र पर किसानों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने समय पर भुगतान और माइक्रो एटीएम जैसी सुविधाओं को सुनिश्चित करके उनकी समस्याओं को हल कर दिया है। किसानों ने कहा कि ये पहल न केवल समय की बचत कर रही है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर भी बना रही है। जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और अवैध धान संग्रहण पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों की सतर्कता से जिले में धान खरीदी प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो रही है।

### माइक्रो एटीएम की सुविधा ने किसानों की दिनचर्या को सरल बना

धान खरीदी केंद्रों पर माइक्रो एटीएम की सुविधा ने किसानों की दिनचर्या को सरल बना दिया है। यह कदम किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव ला रहा है और राज्य सरकार की किसानों के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है। छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल और आर्थिक क्रांति की ओर एक बड़ा कदम है। इससे किसानों का न केवल सरकार पर भरोसा बढ़ा है, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी सुधार हो रहा है।

# स्वास्थ्य विभाग किसी भी प्रकार की आपात स्थिति के लिए पूरी तरह से तैयारः स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल

Koytur times, रायपुर: ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस जिसे एचएमपीवी वायरस कहा जा रहा है, इससे निपटने के लिए छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी तरह से तैयार है। वायरस को लेकर सतर्कता बरतने और तैयारियों के संबंध में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज मंत्रालय नवा रायपुर में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। देश के कुछ हिस्सों में इस वायरस के मरीज मिलने के बाद छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि स्वास्थ्य विभाग में विशेषज्ञों की टीम सतत रूप से इस वायरस के बारे में निगरानी रख रही है और इसके लक्षणों एवं प्रभाव के बारे में भी अध्ययन कर रही है। श्री जायसवाल ने कहा है कि स्वास्थ्य विभाग कोरोना महामारी के बाद से ही किसी भी प्रकार के आपात स्थिति के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि हमारी पूरी कोशिश है कि इस वायरस को रोकें और साथ ही इससे लड़ने के लिए आम जनता को भी जागरूक करें। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह वायरस पहले भी रिपोर्ट किया जा चुका है और इससे घबराने की कोई बात नहीं है, लेकिन सावधानी बरतनी जरूरी है । विशेषज्ञों के अनुसार एचएमपीवी वायरस से बचने के लिए भीड़ वाली जगह से दूरी बना कर रखें, सर्दी खांसी बुखार वाले मरीजों के के संपर्क में नहीं आएं, सर्दी खांसी बुखार के लक्षण पर तत्काल स्थानीय अस्पताल में जांच कराएं। ताकि किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। खांसते व छींकते समय मुंह व नाक को रूमाल से ढंके, अपने हाथों को साबुन एवं सेनेटाइजर से साफ करते रहें, यदि बीमार हैं तो घर पर रहें, ज्यादा पानी पीएं एवं पौष्टिक भोजन का सेवन करें।

**ये काम न करें**

सर्दी, खांसी व बुखार होने पर अथवा सामान्य स्थिति में भी टिशू पेपर का दोबारा इस्तेमाल न करें। बार-बार आंख नाक व मुंह को न छूएं । सार्वजनिक स्थानों पर न थूकें तथा डाक्टर से सलाह लिए बिना किसी भी दवा का इस्तेमाल न करें। गौरतलब है कि एचएमपी वायरस खांसने, छींकने से निकलने वाले ड्रापलेट्स, संक्रमित व्यक्ति से हाथ मिलाने अथवा नजदीकी संपर्क में आने , दूषित सतह पर हाथ लगाने के बाद मुंह, नाक या आंखों को छूने से फैलता है। सर्दी, खांसी, बुखार तथा सर्दियों में सांस लेने में परेशानी इसके सामान्य लक्षण हैं। कुछ गंभीर केसेस में निमोनिया और ब्रोंकाइटिस भी इस बीमारी के लक्षण हैं। देश के कुछ राज्यों में इसके मरीज मिलने की सूचना मिलते ही राज्य के स्वास्थ्य विभाग का अमला अपनी तैयारी में जुट गया है। विशेषज्ञों के अनुसार यह एक सामान्य रेस्पिरेटरी वायरस है जो आम तौर पर सर्दी के दिनों में दिखाई पड़ता है।

## उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में एक से अधिक फॉरेंसिक मोबाइल वैन उपलब्ध है: मंत्री श्री अमित शाह

**संवाददाता | उत्तर प्रदेश**

व्यावसायिकगृहएवंनिबंध मंत्रीश्रीअमितशाहनेआज नई दिल्ली में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथकेसाथराज्यमें तीन नए आपराधिक मुकदमों की समीक्षा बैठक की। बैठक में उत्तराखंड में पुलिस, जेल, अदालत, अभियोजन और फॉरेंसिक सेसंबंधितविभिन्ननएउद्यमों के कामकाज और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में गृह सचिव, निगम, बीपीआर एंड डी और निदेशक, एनसीआरबी सहित गृह मंत्रालय और प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठकमेंचर्चाकेदौरानगृहएवं गृहमंत्रीनेकहाकिप्रधानमंत्री श्रीनरेंद्रमोदीजीकेनेतृत्वमें तीननएआपराधिककानून करना है। गृह मंत्री ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्रीयोगी आदित्यनाथसेफरवरीमाह में नये आपराधिक विधायकों की प्रगति की समीक्षा कर इन विधायकों कोराज्यमेंजल्दसेजल्दलागू करने को कहा। श्री अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसी बड़ी आबादी वाले राज्य में नए क्रिमिनल जेलों के शत-प्रतिशत प्रतिभागियोंसेपूरेदेशमेंएक संदेश जाएगा। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि उत्तर प्रदेशकेसातोंआयुक्तोंमें31 मार्च, 2025 तक नए आपराधिक मुकदमों की शत-प्रतिशत योग्यता सुनिश्चितहो।प्रौद्योगिकीके उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकतापरबलदेतेहुए दिएगएगृहएवंसहायकमंत्री चाहिए। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक विज़िट के लिए टीमों को तीन स्थानों पर विभाजित किया जाना चाहिए-गंभीर,सामान्यऔर अति सामान्य - ताकि परीक्षण और विशेषज्ञ का बेहतरउपयोगकियाजासके और गंभीर मामलों को प्राथमिकतादीजासके।श्री अमितशाहनेकहाकिप्रदेश में कुल शून्य एफआईआर दर्ज करने की नियमित और निरंतर निगरानी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को हर15दिनमेंमुख्यसचिवएवं पुलिस विभाग के सभी संबंधित संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर तीन नये विधानमंडलों की प्रगति की एक सप्ताह तक समीक्षा

### समीक्षा बैठक में तीन नए आपराधिक कानून लागू किए

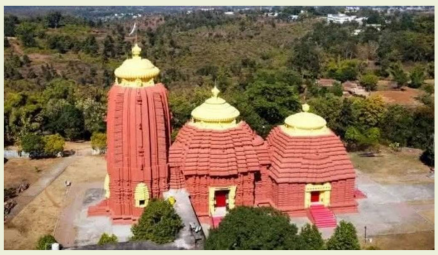

# चिरमिरी के जगन्नाथ मंदिर का अद्वितीय डिज़ाइन और सुंदर वास्तुकला श्रद्धालुओं को करती है विशेष रूप से आकर्षित

Koytur times

छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के चिरमिरी विकासखंड में स्थित जगन्नाथ मंदिर एक अद्वितीय और आकर्षक स्थल है। यह मंदिर एक छोटे से पठार के ऊपर बनाया गया है और दिखने में विश्व विख्यात पुरी जगन्नाथ मंदिर के समान प्रतीत होता है। अपनी सुंदर वास्तुकला और अद्वितीय डिज़ाइन के कारण यह मंदिर दर्शकों और श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लगभग 300 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह मंदिर एक आसानी से पहुँचने योग्य पर्यटन स्थल है।

गौरतलब है कि मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है, जिसमें कई झरने, वन्यजीव अभ्यारण और मनोरंजन पार्क हैं। वहीं जगन्नाथ मंदिर अपनी अद्भुत डिजाइन और ऐतिहासिक महत्व के लिए पूरे राज्य में प्रसिद्ध है। इस मंदिर का निर्माण वर्ष 1982 में महंत श्री गणपत परिमाराय द्वारा शुरू किया गया था और 2006 में प्राण-प्रतिष्ठा के साथ आम जनता को समर्पित किया गया। यह मंदिर विशेष रूप से ओडिशा से आए उत्कल समाज के लोगों की भावना से जुड़ी हुई है, पूरी जगन्नाथ मंदिर के समान यहां भी एक मंदिर बनाने का संकल्प लिया। ताकी बार-बार पूरी जाने की जरूरत ना पड़े, इसी उद्देश्य से चिरमिरी में जगन्नाथ मंदिर का निर्माण कराया गया। यह मंदिर चिरमिरी ब्लॉक के पोंडी नामक ग्राम में स्थित है। मंदिर की बाहरी दीवारों पर देवी-देवताओं की सुंदर प्रतिमाएँ उकेरी गई हैं, जो इसकी धार्मिक और कलात्मक महत्ता को बढ़ाती हैं। मुख्य प्रवेश द्वार पर भैरव बाबा और महावीर हनुमान जी की मूर्तियाँ स्थापित हैं, जो इसे धार्मिक दृष्टि से और भी पवित्र बनाती हैं। प्रवेश द्वार पर गरुड़ की मूर्ति स्थापित है, जो भगवान विष्णु के वाहन का प्रतीक है। गर्भगृह में भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलभद्र की अद्भुत प्रतिमाएँ स्थापित हैं। मंदिर में प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि, रथयात्रा (गुण्डिचा यात्रा) और दोनों नवरात्रों में भव्य मेला का आयोजन होता है। इन अवसरों पर विशेष पूजा-अर्चना, भंडारा और जसगीत का आयोजन किया जाता है। त्योहारों के दौरान श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या यहाँ इकट्ठा होते है यह जगन्नाथ मंदिर न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में पहचान है। इसकी सुंदरता और अद्वितीय प्राकृतिक छटा छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को दर्शाती है। चिरमिरी का जगन्नाथ मंदिर राज्य की समृद्धि, विविधता और धार्मिक आस्था का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

## संयुक्त टीम के द्वारा 10985.57 लीटर जब्त मदिरा का किया गया नष्ट

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने होलोग्राम आधारित रंग कोड़ वाले स्टीकर को अनिवार्य बनाने पर विचार करने को कहा है। शीर्ष अदालत ने 2018 में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के प्रस्ताव को स्वीकार किया था जिसमें दिल्ली-एनसीआर इलाके में पेट्रोल- सीएनजी का इस्तेमाल करने वाले वाहनों में होलोग्राम आधारित अलग- अलग रंग के स्टीकर लगाने की परिकल्पना की गई थी। इनमें वाहन के पंजीकरण की तारीख भी शामिल होनी थी। अदालत के आदेश के बाद केंद्र ने होलोग्राम आधारित स्टीकर की योजना को कानूनी मान्यता देने के लिए केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम, 1989 के नियम 50 और उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट आदेश, 2001 में संशोधन किया। एनसीआर में हर साल सर्दियों में वायू प्रदूषण की बढ़ती समस्या को देखते हुए सख्त कदम उठाने की जरूरत बढ़ती जा रही है। एनसीआर में उप्र, राजस्थान, हरियाणा शामिल हैं। देश में 2022 में कुल पंजीकृत वाहनों की संख्या साढ़े पैंतीस करोड़. के करीब थी, जो इन दो सालों में तीव्र गति से बढ़ी है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क होने के कारण परिवहन उत्सर्जन से होने वाला प्रदूषण तेजी से बढ़ता जा रहा है। ये वहान पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के अतिरिक्त मेथनॉल, ईथनॉल, ईंधन सेल हाइड्रोजन, एलएनजी, एलपीजी और सौर से भी चालित हैं। सबके लिए जरूरी है विशेष पहचान। इस स्टीकर के अलग-अलग रंग दूर से इनके ईंधन के संकेतक बन सकेंगे। देश के कई शहरों में वायु प्रदूषण जानलेवा स्तर तक पहुंचता है जिसमें सुधार लाने के प्रयास आवश्यक होते जा रहे हैं परंतु बार-बार नये नियम लाद कर जनता से वसूली करना भी सरकारी विभागों की उगाही का जरिया बन चुका है। देश में सबसे बड़ी संख्या दो-पहिया वाहनों की 2.95 लाख बताई जाती है जो सड़क सुरक्षा के साथ ही खराब हवा में सांस लेने को भी मजबूर हैं। प्रदूषणजनित रोगों के अतिरिक्त सड़क हादसों पर लगाम लगाने में सरकारी तंत्र बुरी तरह असफल है। बात भले ही नंबर प्लेट बदलने की हो या किसी तरह के स्टीकर लगाने की, सरकारी स्तर पर ऐसे प्रयास होने चाहिए कि वाहन पंजीकरण के दरम्यान ही इन सबका एकमुश्त शुल्क वसूला जा सके। न कि बार-बार चालान काट कर वाहन चालकों से वसूली चालू की जाए। इससे न सिर्फ जनता परेशान होती है, बल्कि सरकारी संसाधनों और यातायात पुलिस का काम भी बढ़ जाता है। सुविधाओं या नियमों को लागू करने की भी संयमित व्यवस्था जरूरी है।

# गुलाब की खेती से महक रहा है एबी अब्राहम का जीवन आस-पास के शहर अंबिकापुर, अनूपपुर तथा बिलासपुर में किया जा रहा गुलाबों की सप्लाई

एमसीबी: आज के समय में पारंपरिक खेती की तुलना में बागवानी या फूलों की खेती किसानों के लिए अधिक मुनाफा देने वाली खेती साबित हो रही है। गुलाब की खेती की तरफ किसानों का रुझान बढ़ रहा है, क्योंकि गुलाब की मांग पूरे वर्ष बनी रहती है और त्यौहारों, शादी समारोह व विभिन्न आयोजनों के समय इसकी मांग काफी बढ़ जाती है। छत्तीसगढ़ के एमसीबी जिले के विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पंचायत लालपुर में रहने वाले एबी अब्राहम ने गुलाब की खेती करके एक मिसाल कायम की है और दूसरे किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं। उनकी सफलता की कहानी यह दर्शाती है कि कैसे पारंपरिक खेती से हटकर नए क्षेत्रों में प्रयास करने से आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। आस-पास के इलाके में डच रोज़ की खेती शुरू करने वाले किसानों को भी अच्छा मुनाफा हो रहा है। यह दर्शाता है कि फूलों की खेती एक लाभदायक व्यवसाय हो सकता है, जो किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकता है। एबी अब्राहम बताते हैं कि वर्तमान समय में किसान को बेमौसम बारिश, तूफान, अतिवृष्टि, सूखा जैसी कई प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है साथ ही विभिन्न प्रकार के कीटों व बीमारियों से अपनी फसलों की रक्षा करनी पड़ती है। इतनी परेशानियों के बाद भी किसान को अपेक्षाकृत अधिक लाभ नहीं मिल पाता है। उनके द्वारा पूर्व में भी अपनी जमीन पर धान की फसल लगाया जाता था, जिससे उन्हें अधिक आमदनी नहीं होती थी। एबी अब्राहम ने परम्परागत कृषि से अलग आधुनिक खेती कर अपनी आय में वृद्धि करने की सोची। इसी दौरान लाभार्थी को नेशनल हार्टिकल्चर बोर्ड द्वारा डच रोज़ की खेती की जानकारी मिली। डच रोज़ कल्टीवेशन से लंबे समय तक होने वाले लाभ की सोच से उन्होंने इसका खेती करने का निश्चय किया और अपने जमीन पर पाली हॉउस तैयार कर गुलाब की खेती प्रारंभ की। उद्यानिकी विभाग द्वारा उनके हौसले को बढ़ाते हुए समय पर दस्तावेजों की पूर्ति कराई गई और समय समय पर विभाग द्वारा एबी अब्राहम को आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाता है। एबी अब्राहम द्वारा फरवरी 2024 में लगभग अपने 1 एकड़ जमीन पर पॉली हाऊस का निर्माण कराकर डच रोज़ की खेती प्रारंभ की है। जहां उन्होंने इसकी 40,000 पौधे का प्लांटेशन किया। पॉली हाऊस के अंदर डच रोज़ की खेती करने से पौधों को सीधे सूर्य की रौशनी, बारिश, आंधी से सुरक्षा मिलती है। सूक्ष्म सिंचाई और टपक विधि से कम पानी में गुलाब की खेती में सफलता प्राप्त हो रही है। एबी अब्राहम द्वारा किए गए गुलाब की खेती को देखने के लिए दूर-दूर से लोग भी आते हैं। एबी अब्राहम की कहानी एक प्रेरणादायक उदाहरण है, कि कैसे एक किसान ने अपनी मेहनत और सोच के बल पर अपने आय में वृद्धि की और अपने जीवन को बेहतर बनाया। गुलाब के उत्पादन के शुरुआत से ही बाजार में इसकी मांग आने से एबी अब्राहम का उत्साह बढ़ा हुआ है। वे कहते हैं कि विभागीय मदद से उन्होंने डच रोज की खेती करने का बड़ा फैसला लिया है, जिसका अब उन्हें लाभ मिल रहा है। वर्तमान में उनके द्वारा आस-पास के इलाके जैसे बिलासपुर, अम्बिकापुर में फूलों का विक्रय किया जा रहा है। साथ ही उनके द्वारा इवेंट ऑर्गेनाइजर, डेकोरेशन शॉप्स वालों से भी संपर्क किया जा रहा है, जिससे आगे चलकर बड़े पैमानों पर गुलाब का विक्रय किया जा सके। आने वाले त्यौहारों व शादी सीजन में बाजारों में फूलो की मांग बढ़ेगी, जिससे उनके आय में और अधिक वृद्धि होगी। यह एक अच्छा उदाहरण है कि कैसे एक किसान अपनी मेहनत और सोच के बल पर अपने जीवन को बेहतर बना सकता है और दूसरों के लिए भी प्रेरणा स्रोत बन सकता है।

## कारखाने में सुरक्षा नियमों की अनदेखी, 17 हाईड्रा, 6 क्रेन सहित अन्य उपकरणों के उपयोग पर रोक

संवाददाता | महासमुंद

कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार, मेसर्स करणी कृपा पावर प्राइवेट लिमिटेड में संयुक्त निरीक्षण किया गया। श्रम पदाधिकारी श्री डी.एन. पात्र एवं सहायक संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा श्री मनीष कुंजाम की टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विनिर्माण और निर्माणाधीन क्षेत्रों में उपयोग हो रही 17 हाईड्रा, 6 क्रेन, 4 जेसीबी, 12 मिक्सचर मशीन और ट्रकों में सुरक्षा संबंधी आवश्यक इंतजाम अनुपस्थित पाए गए। इस कारण से इन सभी उपकरणों के उपयोग पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। साथ ही, गाड़ियों का फिटनेस प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने और सभी सुरक्षा उपाय अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही ठेकेदार मेसर्स जया इंटरप्राइजेस का निरीक्षण विभिन्न श्रम अधिनियमों के अंतर्गत किया गया। निरीक्षण में कई कमियां पाई गईं, जिन पर संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी किया गया है। ठेकेदार को 07 दिनों के भीतर इन कमियों का जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा और श्रम कानूनों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी संबंधित पक्षों को नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं।

## सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन 13 जनवरी तक

संवाददाता | अम्बिकापुर

राष्ट्रीय परीक्षा एजेन्सी द्वारा सत्र 2025-26 हेतु अखिल भारतीय सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में कक्षा 6वीं व 9वीं में प्रवेश के लिए 13 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया है। प्रवेश हेतु सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में ऑनलाइन आवेदन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की आधिकारिक वेबसाईट https://exams.nta.ac.in/ALSSEE/ पर भरा जा सकता है।

# विश्रामपुरी की बिहान से कोंडागांव के विश्रामपुरी की इश्वरी बनी लखपति दीदी बिहान से जुड़ कर बदली अपनी तक़दीर

रायपुर : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर शुरू की गई लखपति दीदी पहल ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का एक उल्लेखनीय माध्यम बन रही है। यह पहल राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत महिलाओं को आजीविका गतिविधियों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और उनकी वार्षिक आय को एक लाख रुपये से अधिक तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इस पहल ने देशभर में हजारों महिलाओं की जिंदगी बदली है उन्ही में से एक हैं कोंडागांव जिले के विश्रामपुरी की इश्वरी मरकाम।

समूह से जुड़कर सफर की शुरुआत

कोण्डागांव जिले के विश्रामपुरी की इश्वरी मरकाम आज बिहान से जुड़कर अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए एक मिसाल बनी है। इश्वरी 2017 में समूह से जुड़ी हैं और आजीविका के छोटे-छोटे गतिविधियां कर आज अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ की है। इश्वरी अपने पति और दो बच्चों के साथ छोटा परिवार में रहती हैं। उनके पति कृषि कार्य करते हैं, लेकिन परिवार की जरूरतों और बच्चों की पढ़ाई के खर्च पूरे करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस कठिन परिस्थिति से उबरने के लिए इश्वरी ने महिला स्व-सहायता समूह का सहारा लिया और अपने जीवन को बदलने की ठानी। इश्वरी उन दिनों को याद करते हुए बताई की उस समय बड़ी मुश्किल से हमारा घर चलता था। परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए हम महीनों से पैसे इक्कठे करते थे तब जाकर हमारी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा कर पाते थे। इश्वरी ने बताया की बिहान से जुड़ने के बाद मेरे अन्दर एक आत्मविश्वास जगा है, आज मैं अपनी बात सबके बीच रख पाती हूँ। समूह से जुड़ने के बाद इश्वरी ने सीआईएफ की राशि का उपयोग कर विभिन्न आजीविका गतिविधियों की शुरुआत की। उन्होंने कृषि कार्य, फैंसी दुकान संचालन और स्कूलों में मध्यान्ह भोजन बनाने का कार्य कर रही हैं। इसके अलावा वे बीसी सखी के रूप में भी सेवाएं प्रदान कर रही हैं।

आर्थिक स्थिति में हुआ सुधार

इश्वरी आज अपनी मेहनत और लगन से अलग-अलग स्रोतों से एक लाख रुपये से अधिक वार्षिक आय अर्जित कर रही है। इश्वरी को कृषि कार्य से 35 हजार रुपए, फैंसी दुकान से 60 हजार और मध्यान्ह भोजन योजना से 24 हजार रुपए तक की आमदनी हो रही है। साथ ही उन्हें छत्तीसगढ़ शासन के महतारी वंदन योजना से भी हर महीने एक हजार रूपये प्राप्त हो रहा है। आज इन सभी आय स्रोतों से उनकी आर्थिक स्थिति पहले से कहीं बेहतर हो गई है। अब उनके बच्चों की पढ़ाई में आर्थिक तंगी नहीं आती और परिवार का जीवन स्तर पहले से अधिक बेहतर हो गया है।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में कदम

ईश्वरी मरकाम की सफलता महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। उनकी सफलता यह साबित करती है कि जब महिलाओं को सही अवसर और संसाधन मिलते हैं, तो वे अपने जीवन को आत्मनिर्भरता और सफलता की ओर ले जा सकती हैं। ईश्वरी कहती हैं, "बिहान योजना ने मुझे और मेरे जैसी कई महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। अब मैं अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हूं और मेरे बच्चों की पढ़ाई में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं है।" उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को इस पहल के लिए धन्यवाद दिया, जो ग्रामीण महिलाओं के जीवन को सशक्त और समृद्ध बना रही है।

## बीजापुर में नक्सली घटना में शहीद जवानों को राजभवन में दी गई श्रद्धांजलि

बीजापुर जिले में हुई नक्सली घटना में शहीद हुए जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के वीर जवानों को छत्तीसगढ़ के राजभवन में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राजभवन में आयोजित "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम के आरंभ में राज्यपाल श्री रमेन डेका के नेतृत्व में यह भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। राज्यपाल श्री डेका के साथ कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, विद्यार्थियों और राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों ने शहीद जवानों को नमन करते हुए उनकी स्मृति में 2 मिनट का मौन रखा। इस दौरान सभी ने मृत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्यजनों ने शहीद जवानों के बलिदान को याद करते हुए इसे देश की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए अतुलनीय बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शहीद जवानों का यह बलिदान कभी भुलाया नहीं जाएगा और यह समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। राजभवन में आयोजित यह श्रद्धांजलि सभा न केवल शहीदों के प्रति सम्मान का प्रतीक थी, बल्कि एक भारत, श्रेष्ठ भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संदेश भी देती है।

# मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने शहीद जवानों को पुष्पचक्र अर्पित कर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

बस्तर: मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज दंतेवाड़ा के कारली पुलिस लाइन में सोमवार को बीजापुर जिले के कुटरू-बेदरे मार्ग पर ग्राम अंबेली में आईडी ब्लास्ट में शहीद जवानों एवं वाहन चालक के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शहीद जवानों के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर कदम पर राज्य सरकार उनके साथ है। उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा, वन मंत्री एवं प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप, बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप, विधायक दंतेवाड़ा श्री चैतराम अटामी, विधायक बीजापुर श्री विक्रम मण्डावी, पूर्व सांसद श्री दीपक बैज, पूर्व विधायक श्रीमती देवती कर्मा सहित डीजीपी श्री अशोक जुनेजा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, एडीजीपी श्री विवेकानंद सिन्हा, कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह, आईजी बस्तर रेंज श्री सुंदरराज पी, डीआईजी द्वय श्री कमलोचन कश्यप एवं श्री अमित काम्बले, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी, पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय सहित पुलिस एवं सीआरपीएफ के अधिकारी तथा अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा शहीद जवानों एवं वाहन चालक के पार्थिव शव पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। मुख्यमंत्री श्री साय सहित उपमुख्यमंत्री एवं वन मंत्री ने शहीद जवान बामन सोढ़ी के पार्थिव शरीर को कंधा देकर उनके गृह ग्राम के लिए रवाना किया। साथ ही अन्य शहीद जवानों एवं वाहन चालक के पार्थिव शव को उनके गृह ग्राम रवाना किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बीजापुर के कुटरू क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा किया गया कायराना हमला न केवल हमारे जवानों पर, बल्कि लोकतंत्र और शांति के मूल्यों पर प्रहार है। जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। नक्सलियों के खात्मे के लिए अभियान निरंतर जारी रहेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसी भी हाल में हिंसा और आतंक को सहन नहीं किया जाएगा। हमारी सरकार बस्तर संभाग में शांति स्थापित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और मार्च 2026 तक प्रदेश में नक्सलवाद समाप्त होकर ही रहेगा। उल्लेखनीय है कि बीजापुर जिले के कुटरू क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी ब्लास्ट के चपेट में आने से डीआरजी के 8 जवान सहित एक वाहन चालक शहीद हो गए।

## कलेक्टर परिसर में कैंटीन संचालन हेतु निविदा 17 जनवरी तक

संवाददाता | उत्तर बस्तर कांकेर

**आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजनांतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान वय वंदना योजना लागू की गई है। इसके तहत जिले में सभी वरिष्ठ नागरिकों का आयुष्मान वय वंदना कार्ड का पंजीयन कार्य समस्त शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों, अस्पतालों एवं समस्त च्वॉइस सेंटरों में किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. महेश शांडिया ने बताया कि आयुष्मान वय वंदना कार्ड के माध्यम से 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों (एपीएल एवं बीपीएल दोनों श्रेणी) को 05 लाख रूपए तक के निःशुल्क उपचार की सुविधा है। 70 वर्ष से अधिक आयु के हितग्राही जिनका पूर्व में आयुष्मान कार्ड बन चुका है, उन्हें भी दोबारा पंजीयन, ई-केवायसी करवाने की आवश्यकता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिले में आयुष्मान वय वंदना कार्ड योजनांतर्गत पंजीयन, ई-केवायसी का कार्य समस्त उप स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, एम.सी.एच. पखांजूर, एम.सी.एच. अलबेलापारा कांकेर एवं शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कांकेर में किया जा रहा है। आयुष्मान वय वंदना कार्ड में पंजीयन करवाने हेतु आधार कार्ड एवं मोबाइल नम्बर आवश्यक है। राज्य नोडल एजेंसी छत्तीसगढ़ से कांकेर जिला को आयुष्मान वय वंदना कार्ड योजनांतर्गत पंजीयन हेतु कुल 29 हजार 623 लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसमें से अब तक कुल 1074 हितग्राहियों ने अपना पंजीयन करवा चुके हैं। विकासखण्ड चारामा में 5178 में से 203 कार्ड, नरहरपुर में 5521 में से 219 कार्ड, कांकेर में 5972 में से 293, कोयलीबेड़ा में 5718 में से 184, भानुप्रतापपुर में 3363 में से 120 कार्ड, दुर्गूकोंदल में 1926 में से 30 एवं अंतागढ़ विकासखण्ड में 1702 में से 25 कार्ड का पंजीयन किया जा चुका है। कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर द्वारा जिले के 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के समस्त वरिष्ठ नागरिको से अपील की गई है कि वे अपने नजदीकी शासकीय अस्पताल या च्वॉइस सेंटर में अतिशीघ्र आयुष्मान वय वंदना कार्ड पंजीयन करवाकर इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।**

## दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना दिव्यांग वर्ग के आत्मनिर्भरता और सम्मान की ओर कदम

महासमुंद: राज्य सरकार द्वारा संचालित दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना समाज के दिव्यांग वर्ग को नई उम्मीदें और सम्मान प्रदान करने की एक सराहनीय पहल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस योजना के तहत महासमुंद जिले में 06 जनवरी को आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में तीन लाभार्थियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर वर्ग को साथ लेकर विकास की दिशा में कार्यरत है। यह योजना दिव्यांगजनों को न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि समाज में समानता और सम्मान का संदेश भी देती है। उन्होंने कहा कि यह योजना दिव्यांगजनों के जीवन को आत्मनिर्भर और स्थिर बनाने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। श्री साय ने कार्यक्रम में ग्राम जोबा की श्रीमती गणेश्वरी साहू को 50 हजार रुपये, महासमुंद के वार्ड क्रमांक 2 के श्री राजा बाबू देवांगन को 1 लाख रुपये, और ग्राम भोरिंग के श्री उमेश कुमार कुशवाह को 50 हजार रुपये के प्रोत्साहन चेक सौंपे गए। इस अवसर पर लाभार्थियों ने अपनी खुशी और आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहायता उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी। श्री राजा बाबू देवांगन ने कहा, "यह मदद मेरे परिवार और भविष्य को सुदृढ़ करने में सहायक होगी।" वहीं, श्रीमती गणेश्वरी साहू ने इसे अपने जीवन की नई शुरुआत बताते हुए सरकार की इस पहल की प्रशंसा की।

## अपार आईडी, जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, भूमि आबंटन, राशन कार्ड नवीनीकरण, राजस्व प्रकरणों के निराकरण सहित विभिन्न योजनाओं में उपलब्धि लाने के निर्देश

संवाददाता | गौरेला पेंड्रा मरवाही

**साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, जनसमस्याओं एवं जनशिकायतों के निराकरण और जिला अधिकारियों द्वारा किए गए स्कूलों के निरीक्षण प्रतिवेदन की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी स्कूली बच्चों का अपार आईडी जनरेट करने, जाति प्रमाण पत्र जारी करने, छूटे हुए सभी लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाने, स्पोर्ट्स काम्पलेक्स, जीएडी कॉलोनी, कन्या महाविद्यालय, नवोदय विद्यालय, एफएसटीपी आदि के लिए भूमि आबंटन, राशन कार्डों का नवीनीकरण एवं नवीनीकृत राशन कार्डों का वितरण, राजस्व प्रकरणों के निराकरण, कस्टम मिलिंग, चावल उपार्जन सहित विभिन्न योजनाओं में लक्ष्य में अनुरूप उपलब्धि लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने सभी जिला अधिकारियों से उनके द्वारा किए गए स्कूलों के निरीक्षण प्रतिवेदन की बारी-बारी से समीक्षा की और बच्चों एवं शिक्षकों की उपस्थिति, अध्ययन-अध्यापन, मध्यान्ह भोजन व्यवस्था आदि में कसावट लाने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए। इसके साथ ही शौचालय, अहाता, किचन शेड आदि अधोसंरचना से संबंधित कार्यों के लिए सभी जनपद सीईओ एवं बीईओ को निर्देश दिए। उन्होंने स्कूलों के अगले निरीक्षण में अपार आईडी जनरेट और जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र जारी होने की जानकारी भी प्राप्त करने जिला अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने हाल ही में करेंट की चपेट में आने से स्कूली छात्र की मौत को गंभीरता से लेते हुए सभी जिला अधिकारियों को स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी, छात्रावास, सरकारी कार्यालयों के ऊपर बिजली तार होने की जानकारी कार्यपालन अभियंता विद्युत को तत्काल उपलब्ध कराने कहा, ताकि जनहानि से बचने बिजली तार की सिफ्टिंग की कार्यवाही की जा सके। कलेक्टर ने जनसमस्याओं एवं जनशिकायतों के निराकरण की विभागवार समीक्षा के दौरान बकाया मजदूरी भुगतान, अतिक्रमण भूमि का मुआवजा, अप्रारंभ पीएम आवासों को प्रारंभ करने, राजस्व अभिलेखों में त्रुटि सुधार, हितग्राहीमूलक योजनाओं में ई-केवाईसी के तहत आधार पंजीयन एवं आधार अपडेशन, पीडीएस के तहत बचत स्टॉक के सत्यापन के बाद वसूली एवं पीडीएस बरदानों का एकत्रीकरण, शासकीय आवासीय भूमि का पट्टा दिलाने, शिशु स्वागत पालना केन्द्रों की स्थापना, ई-ऑफिस क्रियान्वयन हेतु सभी कर्मचारियों का एनआईसी वाला ई-मेल बनवाने, जल जीवन मिशन एवं प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना के क्रियान्वयन में प्रगति लाने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर नम्रता आनंद डोंगरे, परियोजना निदेशक डीआरडीए दिलेराम डाहिरे, एसडीएम पेण्ड्रारोड अमित बेक एवं मरवाही प्रफुल्ल रजक, जिला शिक्षा अधिकारी जे के शास्त्री, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामेश्वर शर्मा, सभी जनपद सीईओ, सीएमओ, बीईओ, निर्माण विभागों के कार्यपालन अभियंता एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।**

# आश्रम-छात्रावासों में 'स्वच्छ परिसर स्वच्छ जीवन' अभियान चलाया जाए: प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा

रायपुर: आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सानमणि बोरा ने विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर काम-काज की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आश्रम-छात्रावासों में साफ-सफाई के लिए 'स्वच्छ परिसर स्वच्छ जीवन' अभियान चलाया जाए। श्री बोरा ने सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नियद नेल्लानार, पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान के लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा कर करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के तहत पात्र हितग्राही योजना का लाभ लेने से वंचित न रहे इसका भी विशेष रूप से ध्यान दिया जाए। बैठक नवा रायपुर स्थित आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। समीक्षा बैठक में आयुक्त श्री पी.एस.एल्मा, अपर संचालक श्री संजय गौड़ सहित सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने कहा कि छात्रावास आश्रमों में प्राप्त सामग्री के उपयोग से पूर्व निर्माण एवं क्रय समिति से अनुमोदन के साथ ही सामग्री का भौतिक सत्यापन भी कराया जाए। उन्होंने सहायक आयुक्तों को अनुदान प्राप्त शासकीय संस्थाओं की हर चार माह में बैठक लेने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा न्यायालयीन प्रकरणों की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की और लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने छात्रावास-आश्रमों की साफ-सफाई के संबंध में ष्स्वच्छ परिसर स्वच्छ जीवनष् अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। इस अभियान के अंतर्गत छात्रावास-आश्रमों में स्वच्छ शौचालय, स्वच्छ रसोई में घर, बच्चों की क्लासरूम एवं शयन कक्ष में साफ सफाई, परिसर में साफ सफाई, किचन गार्डन एवं परिसर में डी.डी.टी. का छिड़काव इत्यादि व्यवस्थाएं किया जाना है। इसके अलावा बच्चों को टीकाकरण, सिकलसेल जांच, मलेरिया जांच, एनीमिया जांच एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। उन्होंने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु भर्ती कीप्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में प्रवेश बढ़ाने के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। पीवीटीजी समुदाय का कोई भी बच्चा शिक्षा के मौलिक अधिकार से वंचित नहीं रहना चाहिए, इसका पूर्ण ध्यान रखा जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों में पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए और सहायक आयुक्त एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव श्री बोरा द्वारा टीआरटीआई परिसर में निर्माणाधीन शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का भी निरीक्षण किया गया उन्होंने कार्य की अपेक्षित प्रगति ना होने पर निर्माण एंजेसी के अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य को पूर्ण गुणवत्ता सहित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।